**भारत सरकार**

**संस्कृति मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 5142**

**उत्तर देने की तारीख : 4 अप्रैल, 2022**

**भारतीय राष्ट्रीय वर्चुअल लाइब्रेरी**

**5142. श्री धनुष एम.कुमार :**
**श्री सी.एन.अन्नादुरई :**
**श्री गजानन कीर्तिकर :**
**श्रीमती मंजुलता मंडल :**
**श्री गौतम सिगामणि पोन :**

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार भारतीय राष्ट्रीय वर्चुअल लाइब्रेरी (एनवीएलआई) के निर्माण के लिए कोई योजना लागू कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एनवीएलआई के उद्देश्य और मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ख) क्या सरकार ने उस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है जिसके लिए एनवीएलआई की स्थापना की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) एनवीएलआई को लागू करते समय सरकार को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा है;

(घ) क्या सरकार के पास एनवीएलआई परियोजना के कार्यान्वयन की प्रगति और उसके तहत अब तक प्राप्त किए गए लक्ष्यों के बारे में कोई ब्यौरा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ङ) क्या सरकार ने एनवीएलआई परियोजना को पूरा करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**(जी. किशन रेड्डी)**

**संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री**

(क) और (ख) : जी, हां सरकार ने आईआईटी बॉम्बे, मुंबई के सहयोग से भारतीय संस्कृति पोर्टल www.indiaculture.gov.in के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय आभासी पुस्तकालय (एनवीएलआई) कार्यान्वित किया है। एनवीएलआई का उद्देश्य विविध

सांस्कृतिक कलाकृतियों के डिजिटल परिरक्षण के लिए मंच प्रदान करना और नागरिकों के बीच उनकी साझा विरासत के प्रति जागरूकता और सामूहिक स्वामित्व का भाव सृजित करना है। एनवीएलआई की अब तक की उपलब्धियों सहित इसकी मुख्य विशेषताएं **अनुलग्नक-क** पर दी गई हैं।

(ग) : किसी भी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा।

(घ) : इस परियोजना ने अच्छी प्रगति की है। इस परियोजना का मुख्य आउटपुट भारतीय संस्कृति पोर्टल, www.indianculture.gov.in है।

(ड.) और (च) : जी, नहीं। एनवीएलआई परियोजना संतोषजनक रूप से कार्यान्वित की गई है। एनवीएलआई के अंतर्गत विकसित भारतीय संस्कृति पोर्टल में मेटाडाटा सहित लगभग 2.98 लाख डिजिटल कलाकृतियां और 34 लाख से अधिक ग्रंथसूची संबंधी प्रविष्टियां हैं।

इस सामग्री को 28 श्रेणियों में प्रस्तुत किया गया है जैसे दुर्लभ पुस्तकें, ई-पुस्तकें, अभिलेखागार, पेंटिंग्स, कहानियां, स्निपेट्स, ऐतिहासिक शहर और किले आदि। वर्तमान में यह पोर्टल अंग्रेजी और हिन्दी में उपलब्ध है और इस तक भारतीय संस्कृति नामक एप के माध्यम से पहुंचा जा सकता है जो एंड्रॉयड फोन और आईफोन, दोनों पर उपलब्ध है।

**अनुलग्नक-क**

**भारतीय राष्ट्रीय वर्चुअल लाइब्रेरी के संबंध में दिनांक 04 अप्रैल, 2022 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 5142 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

डिजिटल भविष्य के लिए स्वयं को स्थापित करने की वर्तमान आवश्यकता को पहचानते हुए, संस्कृति मंत्रालय द्वारा एनवीएलआई की शुरुआत की गई है यह एक ऐसा मंच है जो पूरे भारत के विभिन्न संग्रहों और संस्थाओं से सांस्कृतिक महत्व के डाटा को होस्ट करता है।

एनवीएलआई परियोजना के भाग के रूप में आईआईटी बॉम्बे ने भारतीय संस्कृति पोर्टल (www.indiaculture.gov.in) विकसित किया है जो इतिहास, विरासत और संस्कृति से संबंधित सूचना के लिए वन-स्टॉप स्रोत है।

एनवीएलआई की महत्वपूर्ण विशेषताएं :-

1. **सर्व-समावेशी डिजिटल मंच -** बहु सांस्कृतिक संसाधनों जैसे कि राष्ट्रीय और राज्य अभिलेखागार, पुस्तकालय और जिला गजटियर तक पहुंच प्रदान करने हेतु जो समाज के सभी वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।

2. **डाटा संग्रहण और क्यूरेशन -** संस्कृति मंत्रालय के विभिन्न संगठनों से डाटा संग्रहित किया जाता है। इस प्रकार से प्राप्त डाटा को समुचित रूप से प्रबंधित किया जाता है।

3. **डाटा हारवेस्टिंग -** क्यूरेट किए गए डाटा को एक समान संग्रह में हारवेस्ट किया जाता है और भारतीय संस्कृति पोर्टल पर जनता के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

4. **नि:शुल्क पहुंच -** अभिलेखीय संसाधनों और दस्तावेजों तक नि:शुल्क पहुंच।

5. **उन्नत और प्रयोक्ता अनुकूल इंटरफेस-** इस पोर्टल के सरल उपयोग के कारण प्रयोक्ता को वांछित परिणाम तक जल्द पहुंचने में सुविधा होती है।

6. **दृष्टिबाधित व्यक्तियों हेतु सुगम्य-** इस पोर्टल में ऐसी विशिष्ट विशेषताएं और कार्य क्षमताएं हैं जिससे दृष्टिबाधित व्यक्ति बिना किसी कठिनाई के पोर्टल तक पहुंच सकते हैं और इसे पढ़ सकते हैं।

7. **फैसेटिड और उन्नत खोज -** फैसेटिड खोज से प्रयोक्ता फिल्टरों का प्रयोग करते हुए इस पोर्टल के विभिन्न स्तरों को देख सकता है।
   उन्नत खोज लेखक के नाम, शीर्षक आदि जैसे विशिष्ट क्षेत्रों का उपयोग करते हुए पुस्तकों और अन्य संसाधनों की खोज में सहायता करती है।

8. **द्विभाषी डिजिटल मंच-** यह पोर्टल द्विभाषी है तथा अंग्रेजी और हिंदी, दोनों में उपलब्ध है।

9. **दुर्लभ पुस्तकों और ई-पुस्तकों के लिए डिजिटल फ्लिपबुक -** यह अनोखी विशेषता पोर्टल पर सभी पुस्तकों के लिए उपलब्ध है। पोर्टल पर उपलब्ध दुर्लभ पुस्तकों को डाउनलोड भी किया जा सकता है।

10. **सरलता से पढ़ी जाने वाली विषय सामग्री-** इतिहास, विरासत और संस्कृति से संबंधित विषय सामग्री सरलता से पढ़े जाने वाले प्रारूप में लिखी गई है ताकि सभी प्रकार के व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

11. **क्यूआर कोड साझा करना-** पोर्टल पर उपलब्ध डाटा को अनोखे क्यूआर कोड का उपयोग करते हुए सरलता से साझा किया जा सकता है। एक बार स्कैन किए जाने पर, वांछित पृष्ठ को सरलता से फोन और अन्य उपकरणों पर देखा जा सकता है।

12. **निरंतर विकास और नए परिवर्धन -** नई विषय सामग्री और क्यूरेट किए गए डेटा के साथ यह पोर्टल लगातार विकसित हुआ है। इस पोर्टल पर पुस्तकों, पांडुलिपियों, अभिलेखीय दस्तावेजों, आकृतियों, वीडियो और अन्य संसाधनों के रूप में लाखों डेटा उपलब्ध है।

13. वर्तमान में भारतीय संस्कृति पोर्टल पर उपलब्ध श्रेणियां :

   दुर्लभ पुस्तकें, ई-पुस्तकें, अभिलेखागार, राजपत्र और गजटियर, पांडुलिपियां, संग्रहालय के संग्रह, पेंटिंग, ऑडियो, यूनेस्को की सामग्री, शोध, भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथसूची, प्रतिवेदन एवं कार्यवाहियां, संघ सूची और अन्य संग्रह आदि, कहानियां, स्निपेट, फोटो निबंध, भारत के किले, भारत के वस्त्र और कपड़े, भारत के ऐतिहासिक शहर, भारत के संगीत वाद्ययंत्र, खानपान और संस्कृति, वर्चुअल वॉकथ्रू और स्वंत्रता अभिलेखागार-विस्मृत वीर आदि।